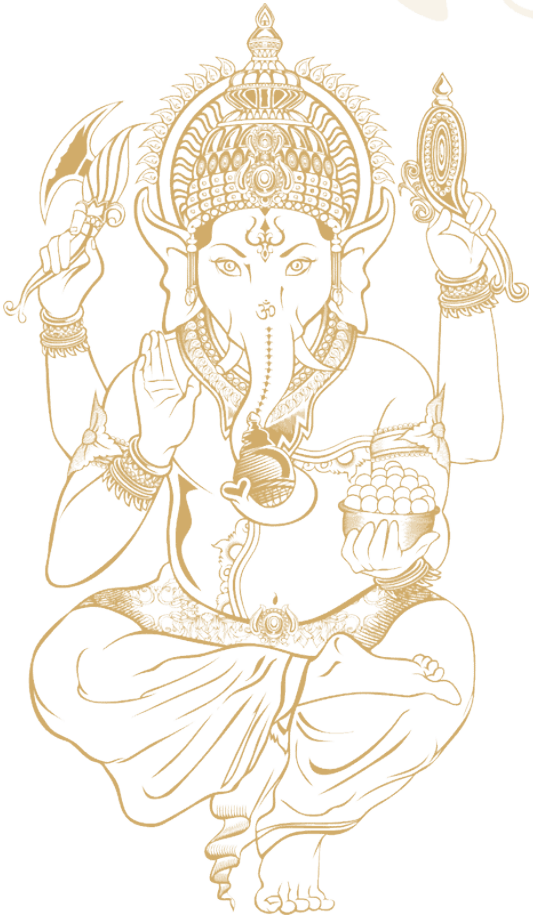

Mr.shubham khanna

20 Mar 2020

01:50 AM

Noida

Model: web-freekundliweb

Order No: 121246503

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19-20/03/2020**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**01:50:00 घंटे**
इष्ट	48:31:35 घटी
स्थान	**Noida**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:29:44 घंटे
वेलान्तर	-00:07:40 घंटे
साम्पातिक काल	13:21:05 घंटे
सूर्योदय	06:25:21 घंटे
सूर्यास्त	18:30:59 घंटे
दिनमान	12:05:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	05:33:18 मीन
लग्न के अंश	11:58:17 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शिव
करण	बालव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खू-खूबचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	11:58:17	341:52:21	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			मीन	05:33:18	00:59:39	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मक	15:36:51	12:11:54	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	सम राशि
मंगल			धनु	28:14:21	00:41:40	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
बुध			कुंभ	08:13:17	00:46:46	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
गुरु			धनु	28:35:06	00:09:04	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	स्वराशि
शुक्र			मेष	21:29:30	01:01:18	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	सम राशि
शनि			मक	05:41:18	00:04:40	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	स्वराशि
राहु	व		मिथु	10:24:41	00:05:20	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	गुरु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	10:24:41	00:05:20	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	उच्च राशि
हर्ष			मेष	10:23:57	00:02:58	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	---
नेप			कुंभ	24:41:19	00:02:15	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो			मक	00:31:38	00:01:03	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			कन्या	27:47:23	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:05

लग्न-चलित

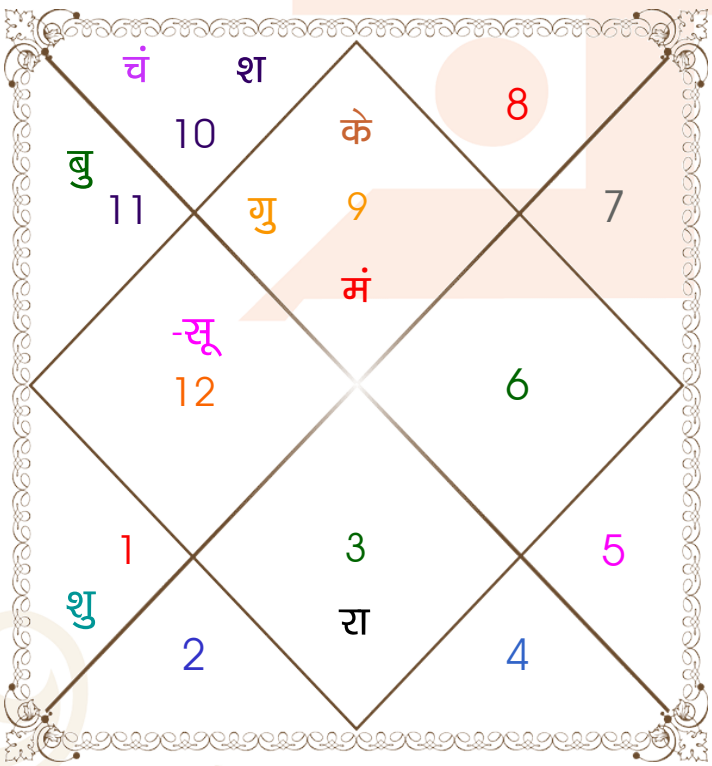

चन्द्र कुंडली

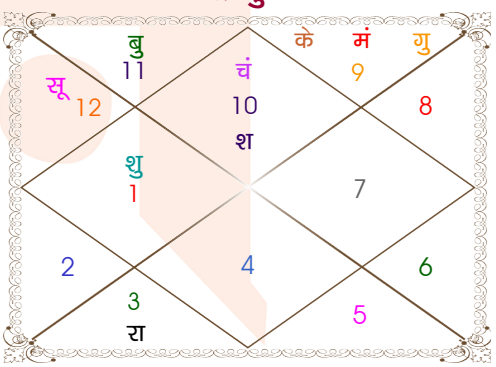

नवमांश कुंडली

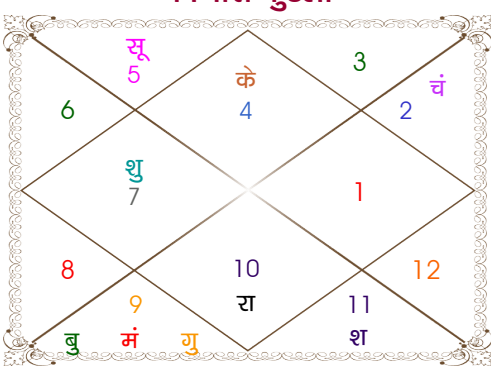

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 5 वर्ष 9 मास 14 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
20/03/2020		02/01/2026		02/01/2033		02/01/2051		02/01/2067	
02/01/2026		02/01/2033		02/01/2051		02/01/2067		02/01/2086	
	00/00/0000	मंगल	31/05/2026	राहु	15/09/2035	गुरु	20/02/2053	शनि	05/01/2070
	00/00/0000	राहु	19/06/2027	गुरु	08/02/2038	शनि	03/09/2055	बुध	14/09/2072
	20/03/2020	गुरु	25/05/2028	शनि	15/12/2040	बुध	09/12/2057	केतु	24/10/2073
गुरु	03/04/2020	शनि	04/07/2029	बुध	04/07/2043	केतु	15/11/2058	शुक्र	24/12/2076
शनि	02/11/2021	बुध	01/07/2030	केतु	22/07/2044	शुक्र	16/07/2061	सूर्य	06/12/2077
बुध	04/04/2023	केतु	27/11/2030	शुक्र	22/07/2047	सूर्य	04/05/2062	चंद्र	07/07/2079
केतु	03/11/2023	शुक्र	27/01/2032	सूर्य	15/06/2048	चंद्र	03/09/2063	मंगल	15/08/2080
शुक्र	04/07/2025	सूर्य	03/06/2032	चंद्र	15/12/2049	मंगल	09/08/2064	राहु	22/06/2083
सूर्य	02/01/2026	चंद्र	02/01/2033	मंगल	02/01/2051	राहु	02/01/2067	गुरु	02/01/2086

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
02/01/2086		03/01/2103		03/01/2110		03/01/2130		04/01/2136	
03/01/2103		03/01/2110		03/01/2130		04/01/2136		00/00/0000	
बुध	31/05/2088	केतु	02/06/2103	शुक्र	05/05/2113	सूर्य	23/04/2130	चंद्र	03/11/2136
केतु	28/05/2089	शुक्र	01/08/2104	सूर्य	05/05/2114	चंद्र	22/10/2130	मंगल	04/06/2137
शुक्र	28/03/2092	सूर्य	07/12/2104	चंद्र	04/01/2116	मंगल	27/02/2131	राहु	04/12/2138
सूर्य	01/02/2093	चंद्र	08/07/2105	मंगल	05/03/2117	राहु	22/01/2132	गुरु	21/03/2140
चंद्र	04/07/2094	मंगल	04/12/2105	राहु	05/03/2120	गुरु	09/11/2132		00/00/0000
मंगल	01/07/2095	राहु	22/12/2106	गुरु	04/11/2122	शनि	22/10/2133		00/00/0000
राहु	17/01/2098	गुरु	28/11/2107	शनि	03/01/2126	बुध	29/08/2134		00/00/0000
गुरु	25/04/2100	शनि	06/01/2109	बुध	03/11/2128	केतु	03/01/2135		00/00/0000
शनि	03/01/2103	बुध	03/01/2110	केतु	03/01/2130	शुक्र	04/01/2136		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 5 वर्ष 9 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।